GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COAL
LOK SABHA
UNSTARRED QUESTION NO. 1428
ANSWERED ON 10/02/2021

DIVERSIFYING PSUS IN THE COAL SECTOR

1428. DR. BEESETTI VENKATA SATYAVATHI:
SHRI KURUVA GORANTLA MADHAV:
SHRI N. REDDEPPA:
SHRI CHANDRA SEKHAR BELLANA:
SHRI T.R.V.S. RAMESH:

Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether the Government plans to diversify the Public Sector Undertakings in the Coal Sector;
(b) if so, the details thereof;
(c) whether the Government plans to transform the coal companies to energy companies and also include Clean Coal Technologies to provide sustainability to coal business; and
(d) if so, the details thereof?

ANSWER

MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS, COAL AND MINES
(SHRI PRALHAD JOSHI)

(a): Yes, Sir.

(b) to (d): In principle Board approvals have been obtained for diversification in Aluminum smelter, solar wafer manufacturing, clean coal technologies and solar power generation etc. However, full details will be available only after finalization of all projects including preparation of Feasibility Reports, DPRs etc.

*****

भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 1428

जिसका उत्तर 10 फरवरी, 2021 को दिया जाना है

कोयला क्षेत्र में पीएसयू का विविधिकरण

1428. **डॉ. बीसेट्टी वेंकट सत्यवती:**
श्री कुरुवा गोरांतला माधव:
श्री एन. रेड्डप्प:
श्री बेल्लाना चन्द्रशेखर:
श्री टी.आर.वी.एस. रमेश:

क्या **कोयला मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) : क्या सरकार की कोयला क्षेत्र में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में विविधता लाने की योजना है;

(ख) : यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) : क्या सरकार की कोयला कंपनियों को ऊर्जा कंपनियों में बदलने और स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों को शामिल करने की कोई योजना है ताकि कोयला व्यापार को संवहनीयता प्रदान की जा सके; और

(घ) : यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संसदीय कार्य, कोयला एवं खान मंत्री

(श्री प्रल्हाद जोशी)

(क) : जी, हां।

(ख) से (घ) : एल्यूमिनियम स्मेल्टर, सोलर वैफर निर्माण, स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियां और सौर विद्युत उत्पादन इत्यादि में विविधिकरण के लिए बोर्ड का सैद्धांतिक अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है। तथापि, व्यवहार्यता रिपोर्ट, डीपीआर आदि तैयार करने सहित सभी परियोजनाओं को अंतिम रूप दिए जाने के पश्चात् ही पूर्ण विवरण उपलब्ध होगा।

****